राष्ट्रीय प्रत्यक्ष कर अकादमी

छिंदवाड़ा रोड, नागपुर

आनंद बायवार, भा.रा.से.
महानिदेशक (प्रशिक्षण)

प्रिय अधिकारियों और कर्मचारियों,

हिंदी दिवस के इस विशेष अवसर पर आपको मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। आज के दिन आपसे संवाद करके मुझे बहुत खुशी हो रही है।

भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं होती, बल्कि यह राष्ट्र की सांस्कृतिक और सामाजिक धरोहर की संवाहक होती है। हमारी हिंदी भाषा, भारत की एकता और अखंडता की एक महत्वपूर्ण कड़ी है।

14 सितंबर, 1949 को संविधान सभा ने हिंदी को भारत संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया, और तभी से इस दिन को 'हिंदी दिवस' के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर को सार्थक बनाने के लिए हमें हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग की दिशा में कृतसंकल्प रहना होगा।

आज हिंदी का महत्व संपर्क भाषा और वैश्विक भाषा के रूप में बढ़ रहा है और इसके प्रयोग में निरंतर वृद्धि देखने को मिल रही है। हमें कार्यालयीन हिंदी को सहज और सुगम बनाने की आवश्यकता है। हमें आम बोलचाल में प्रयुक्त सरल शब्दों का प्रयोग करना चाहिए।

मैं आप सभी से, विशेषकर अधिकारियों से, अपील करता हूँ कि वे अपने दैनिक कामकाज में हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग करें, ताकि हमारे अधीनस्थ कर्मियों को भी राजभाषा हिंदी में कार्य करने की प्रेरणा मिले।

विशेष रूप से, युवा प्रशिक्षु अधिकारियों से अपेक्षा करता हूँ कि वे इस संवैधानिक जिम्मेदारी को पूरी लगन और संकल्प के साथ निभाएं। मुझे पूरा विश्वास है कि हमारे संयुक्त प्रयासों से हम अपने लक्ष्यों को अवश्य प्राप्त कर सकेंगे।

आइए, हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि हम अपने सभी कार्यालयीन कार्यों को पूरे उत्साह और गर्व के साथ हिंदी में करेंगे।

मैं अकादमी परिवार के सभी सदस्यों को हिंदी दिवस की सप्रेम शुभकामनाएं देता हूँ।

जय हिंद।

आनंद

दिनांक : 14 सितंबर, 2024

(आनंद बायवार)